प्रारंभिक परीक्षा

वाल्मीक थापर (1952–2025)

संदर्भ

वाल्मीक थापर का पाचन तंत्र के कैंसर के कारण निधन हो गया।

उनके बारे में -

- **वे प्रसिद्ध भारतीय प्रकृतिवादी, संरक्षणवादी और लेखक थे।**
- **योगदान:**
    - वे प्रोजेक्ट टाइगर और सख्त वन्यजीव संरक्षण कानूनों के प्रवर्तन के प्रबल समर्थक थे।
    - उन्होंने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड और सुप्रीम कोर्ट की केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति जैसे प्रमुख शीर्ष निकायों में कार्य किया।
    - वे **टाइगर टास्क फोर्स के सदस्य** (2005 में राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व से बाघों के गायब होने के बाद सुधारों की सिफारिश करने के लिए गठित) थे।
- **लेखक:**
    - **पुस्तक**: द टाइगर डायनेस्टी एंड सेविंग वाइल्ड टाइगर्स।
    - **वृत्तचित्र**: बीबीसी की लैंड ऑफ द टाइगर (1997)।
- **पुरस्कार: पद्म भूषण (2019)।**

स्रोत: Indian Express

बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम(BESS)

संदर्भ

भारत ने विद्युत विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी 20 मेगावाट BESS का उद्घाटन किया।

BESS के बारे में -

- **वे प्रौद्योगिकियां हैं जो बाद में उपयोग के लिए बैटरी का उपयोग करके विद्युत ऊर्जा को संग्रहीत करती हैं।**
- **मुख्य भाग:**
  - **बैटरी पैक:** विद्युत ऊर्जा संग्रहित करता हैं।
  - **पावर कन्वर्जन सिस्टम (PCS):** चार्जिंग और डिस्चार्जिंग प्रक्रियाओं का प्रबंधन करता है।
  - **एनर्जी मैनेजमेंट सिस्टम (EMS):** BESS परिचालनों को नियंत्रित और अनुकूलित करता है।
- **कार्य**: बैटरियां विद्युत ग्रिड से, सीधे बिजलीघर से, या सौर पैनलों या अन्य ऊर्जा स्रोत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत से बिजली प्राप्त करती हैं, और बाद में इसे विद्युत धारा के रूप में संग्रहित कर लेती हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इसे छोड़ सकें।
- **लाभ:**
  - **ग्रिड स्थिरीकरण:** आपूर्ति और मांग में संतुलन लाता है, उतार-चढ़ाव को कम करता है।
  - **नवीकरणीय एकीकरण:** कम उत्पादन अवधि के दौरान उपयोग के लिए सौर और पवन जैसे स्रोतों से अधिशेष ऊर्जा का भंडारण करता है।
  - **पीक लोड प्रबंधन:** पीक मांग के दौरान संग्रहित ऊर्जा की आपूर्ति करता है, जिससे ग्रिड पर दबाव कम होता है।
  - **ऊर्जा मध्यस्थता:** कम बिजली कीमत की अवधि के दौरान चार्ज और कीमतें अधिक होने पर डिस्चार्ज, जिससे लागत का अनुकूलन होता है।
  - **बैकअप पावर:** विद्युत कटौती के दौरान आपातकालीन बिजली उपलब्ध कराता है, जिससे विश्वसनीयता बढ़ती है।

स्रोत: CNBCTV18

पंडित दीनदयाल उपाध्याय (1916-1968)

संदर्भ

1 जून 2025 को कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के 60 वर्ष पूरे होने पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित किया।

उनके बारे में -

- **उन्हें एकात्म मानववाद के दर्शन के प्रतिपादन के लिए जाना जाता है।**
  - **मनुष्य को चार आयामी प्राणी के रूप में देखा जाता है: शरीर, मन, बुद्धि, और आत्मा।**
  - सच्ची प्रगति केवल भौतिक आवश्यकताओं की ही नहीं, बल्कि इन सभी आयामों का सम्मान और पोषण करती है।

एकात्म मानववाद की प्रमुख विशेषताएं -
- **सांस्कृतिक राष्ट्रवाद** - राष्ट्र एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक इकाई है, न कि केवल क्षेत्र।
- **अंत्योदय** - समाज के सबसे गरीब और अंतिम व्यक्ति का उत्थान।
- **स्वदेशी और विकेंद्रीकरण** - आत्मनिर्भर, स्थानीय अर्थव्यवस्थाएं जो भारतीय लोकाचार पर आधारित हों।
- **व्यक्ति एवं समाज का सामंजस्य** – सामूहिक कल्याण के लिए अधिकारों और कर्तव्यों में संतुलन।
- **पूंजीवाद और समाजवाद की अस्वीकृति** - दोनों को भौतिकवादी और भारतीय मूल्यों के साथ असंगत माना जाता है।

- **साहित्यिक कृतियाँ:**
  - **राष्ट्र धर्म:** मासिक पत्रिका।
  - **पांचजन्य:** साप्ताहिक समाचार पत्र।
  - **स्वदेश:** दैनिक समाचार पत्र।
  - चन्द्रगुप्त मौर्य पर एक नाटक और आदि शंकराचार्य की जीवनी लिखी।
- **विरासत:** मुगलसराय जंक्शन का नाम दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर रखा गया

उनके नाम पर राष्ट्रीय योजनाएँ

योजना का नाम	फोकस क्षेत्र	मुख्य उद्देश्य
दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय योजना (डीएवाई-एनयूएलएम और एनआरएलएम)	शहरी एवं ग्रामीण गरीबी उन्मूलन	गरीबों के लिए कौशल विकास और आजीविका सहायता
दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (डीडीयू-जीकेवाई)	ग्रामीण रोजगार	ग्रामीण युवाओं के लिए कौशल प्रशिक्षण (15-35 वर्ष)
दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई)	ग्रामीण विद्युतीकरण	निरंतर विद्युत आपूर्ति और फीडर पृथक्करण
दीनदयाल दिव्यांग पुनर्वास योजना (डीडीआरएस)	दिव्यांगता कल्याण	दिव्यांग व्यक्तियों के पुनर्वास के लिए गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

उनके नाम पर राष्ट्रीय योजनाएँ		
पं.दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते कार्यक्रम	श्रम सुधार और कौशल विकास	औद्योगिक वातावरण और व्यावसायिक प्रशिक्षण में सुधार
दीन दयाल उपाध्याय स्वनियोजन योजना (DUSY)	उद्यमशीलता	प्रशिक्षण और सहायता के माध्यम से ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा देना

स्रोत: PIB

ध्रुव (DHRUVA)

संदर्भ

डाक विभाग (DoP) ने एक व्यापक नीति दस्तावेज जारी किया है, जिसमें ध्रुव की रूपरेखा को रेखांकित किया गया है।

ध्रुव(DHRUVA-Digital Hub for Reference and Unique Virtual Address) के बारे में -

- **विकासकर्ता**: डाक विभाग (DoP), भारत सरकार
- **उद्देश्य**: पूरे भारत में हर घर को एक अद्वितीय डिजिटल पता प्रदान करना
- **प्रयुक्त प्रौद्योगिकी:** सटीक पता मानचित्रण के लिए जियो-कोडेड ढांचे पर आधारित।
- **उद्देश्य:**
  - पता सूचना प्रबंधन को एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक अवसंरचना के रूप में स्थापित करना।
  - प्रभावी शासन**,** समावेशी सेवा वितरण और बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव का समर्थन करना।
- **ध्रुव की दो मुख्य परतें:**
  - **डिजिटल पोस्टल इंडेक्स नंबर (DIGIPIN)**
    - 10-अक्षरों का अल्फ़ान्यूमेरिक कोड
    - किसी स्थान के अक्षांश-देशांतर को एनकोड करता है
    - भारत के भूगोल पर एक समान 4x4 मीटर ग्रिड मानचित्रण के आधार पर
    - पतों की अद्वितीय भू-स्थानिक पहचान सुनिश्चित करता है
  - **डिजिटल एड्रेस लेयर**
    - उपयोगकर्ता-केंद्रित, सहमति-संचालित प्रणाली
    - DIGIPIN पर निर्मित
    - कस्टम लेबल और वर्णनात्मक पता विवरण जोड़ने की अनुमति देता है।
    - डिजिटल पतों को आसानी से साझा करने और व्याख्या करने में सक्षम बनाता है।

स्रोत: **PIB**

समाचार संक्षेप में

नई खोजी गई तारा-जैसी वस्तु: ASKAP J1832-0911

समाचार? खगोलविदों ने आकाशगंगा में एक अनोखी तारा-जैसी वस्तु की खोज की है, जिसने अपने असामान्य रेडियो और एक्स-रे उत्सर्जन से वैज्ञानिकों को आश्चर्यचकित कर दिया है।

ASKAP J1832-0911 क्या है?

- **मिल्की वे आकाशगंगा में एक तारे जैसी वस्तु, जो लगभग 15,000 प्रकाश वर्ष दूर है।**
- ऑस्ट्रेलियाई स्क्वायर किलोमीटर एरे पाथफाइंडर (ASKAP) और नासा के चंद्रा एक्स-रे वेधशाला का उपयोग करके पता लगाया गया।
- **ज्ञात पल्सर या मैग्नेटर्स के विपरीत, हर 44 मिनट में रेडियो तरंगें और एक्स-रे उत्सर्जित करता है।**
    - अधिकांश ज्ञात रेडियो उत्सर्जक वस्तुएं (जैसे पल्सर) मिनटों में नहीं, बल्कि मिलीसेकंड से सेकंड के अंतराल पर झपकती हैं।
- **"दीर्घ-अवधि रेडियो ट्रांजिएंट"** नामक एक नए वर्ग से संबंधित है (जो दसियों मिनट तक तीव्र रेडियो तरंगें उत्सर्जित करता है)।

पल्सर क्या हैं?
वे तेज़ गति से घूमने वाले न्यूट्रॉन तारे हैं, जिनमें मजबूत चुंबकीय क्षेत्र होते हैं, जो अपने चुंबकीय ध्रुवों से, आमतौर पर हर कुछ मिलीसेकंड से लेकर सेकंड तक, विकिरण के नियमित स्पंदन उत्सर्जित करते हैं।

स्रोत: Indian Express

एलिज़ा(ELIZA)

समाचार? AI और मानव-कम्प्यूटर संपर्क पर वर्तमान बहस के बीच एलिजा को इसके ऐतिहासिक महत्व के लिए हाल ही में फिर से देखा गया।

एलिज़ा क्या है?

- **यह सबसे पहले ज्ञात चैटबॉट में से एक है।**
- **1964 और 1966 के बीच MIT में जोसेफ वीज़ेनबाम (जिन्होंने SLIP या "सिमेट्रिक लिस्प प्रोसेसर" भी विकसित किया था) द्वारा विकसित किया गया।**
- वास्तविक समझ के बिना पैटर्न मिलान और प्रतिस्थापन का उपयोग करके नकली बातचीत।
- इसकी सबसे प्रसिद्ध स्क्रिप्ट को डॉक्टर कहा जाता था, जो एक चिकित्सक की नकल करता था।

स्रोत: Indian Express

समाचार में स्थान

पैराग्वे

समाचार? पैराग्वे के राष्ट्रपति सैंटियागो पेना पालासिओस हाल ही में भारत आए।

पैराग्वे के बारे में -

- दक्षिण-मध्य दक्षिण अमेरिका में स्थलरुद्ध राष्ट्र।
- **राजधानी**: असुनसियन
- **मकर रेखा इससे होकर गुजरती है।**
- **सीमावर्ती राष्ट्र**: बोलीविया, ब्राज़ील और अर्जेंटीना।
- **प्रमुख भौगोलिक विशेषताएँ:**
    - **प्रमुख नदियाँ:** पैराग्वे (देश को दो भागों में विभाजित करती है), पराना, पिलकोमायो और आपा
    - **पर्वत और पठार:**
        - अमांबे पर्वत
        - म्बाराकायु पर्वत
        - कॉर्डिलेरा डी सैन राफेल
    - **झीलें**: यपोआ झील और यपाकराई झील।

स्रोत: DD News

संपादकीय सारांश

जीडीपी के आंकड़े बताते हैं कि भारत विकास की राह पर वापस आ गया है

संदर्भ

- भारत की अर्थव्यवस्था, जिसके वित्त वर्ष 2024-25 में 6.5% की दर से बढ़ने का अनुमान है, वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच लचीलेपन को दर्शाती है।
    - हालाँकि, चुनौतियाँ बनी हुई हैं, समावेशी और मजबूत विकास को बनाए रखने के लिए सुधार और रणनीतिक निवेश की आवश्यकता है।

हालिया अनुमान: भारतीय अर्थव्यवस्था (2024–25) -

- **भारत की जीडीपी वृद्धि 6.5% अनुमानित है, चौथी तिमाही में 7.4% की वृद्धि हुई, जो मजबूत गति को दर्शाता है।**
- नाममात्र जीडीपी में 9.8% की वृद्धि हुई, जिससे अर्थव्यवस्था का आकार बढ़कर $3.91 ट्रिलियन हो गया।
- निजी खपत में 7.2% की वृद्धि हुई, जिसे ग्रामीण मांग का समर्थन मिला, लेकिन शहरी मांग कमज़ोर रही।
- सरकारी खपत में पूरे वर्ष के लिए सिर्फ़ 2.3% की वृद्धि हुई और चौथी तिमाही में -1.8% की कमी आई।
- विनिर्माण क्षेत्र ने सिर्फ़ 4.5% की वृद्धि के साथ खराब प्रदर्शन किया, जो कृषि क्षेत्र से भी कम है।
- निर्माण क्षेत्र में 9.4% की वृद्धि हुई, जिससे रोज़गार और श्रम-प्रधान क्षेत्रों को समर्थन मिला।
- व्यापारिक निर्यात लगभग स्थिर (~$437 बिलियन) रहा, जबकि सेवा निर्यात लचीला रहा।
- विदेशी मुद्रा भंडार $686 बिलियन पर मज़बूत बना हुआ है।
- अप्रैल 2025 में पूंजीगत व्यय ₹1.59 लाख करोड़ तक पहुंच गया (पूर्ण वर्ष के बजटीय पूंजीगत व्यय का 14.3%)।

आगे की चुनौतियां -

- वैश्विक टैरिफ तनाव (जैसे, अमेरिका-चीन, अमेरिका-भारत) भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए खतरा हैं।
- वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी (एस एंड पी ने 2025 में 2.7% वैश्विक वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि 2024 में 3.3%)।
- निर्यात बाज़ार जोखिम, जिसमें अमेरिका, यूरोपीय संघ और एशिया से मांग में कमी शामिल है।
- नीतिगत और वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निजी निवेश में देरी।
- शहरी खपत कमजोर बनी हुई है, जिससे समग्र मांग वृद्धि सीमित हो रही है।
- पूंजी प्रवाह और मुद्रा दरों में अस्थिरता जारी रह सकती है।
- संरचनात्मक बाधाएं अभी भी व्यापार करने की आसानी और रसद दक्षता में बाधा डाल रही हैं।

अवसर -

- सेवा निर्यात (कुल निर्यात का लगभग 50%) वैश्विक व्यापार झटकों के प्रति कम संवेदनशील है।
- रिकॉर्ड कृषि उत्पादन और अच्छे मानसून की संभावनाओं से ग्रामीण आय में वृद्धि हो सकती है और खाद्य मुद्रास्फीति पर नियंत्रण हो सकता है।
- कच्चे तेल की कीमतें औसतन 65 डॉलर प्रति बैरल रहने की उम्मीद है, जिससे आयात बिल और मुद्रास्फीति कम होगी।
- आरबीआई दरों में कटौती कर सकता है (25 आधार अंकों की दो बार कटौती अपेक्षित है)।
- **विदेशी निवेश बढ़ रहा है**: एप्पल और वियतनामी ईवी कंपनियां भारत में विस्तार कर रही हैं।
- मजबूत कॉर्पोरेट बैलेंस शीट भारतीय उद्योग जगत की नए अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता को बढ़ाती है।
- पूंजीगत व्यय में शुरुआती बढ़ोतरी से पता चलता है कि सरकार बुनियादी ढांचे के माध्यम से विकास को प्राथमिकता देती है।

आगे की राह -

- दीर्घकालिक निवेश आकर्षित करने के लिए भूमि, श्रम और लॉजिस्टिक्स में संरचनात्मक सुधार करना।
- स्थिर नीतियों और कम अनुपालन बोझ के माध्यम से निवेश माहौल में सुधार।
- वैश्विक व्यापार निर्भरता को कम करने के लिए निर्यात में विविधता लाना, विशेष रूप से डिजिटल और हरित क्षेत्रों में।
- लक्षित कल्याण और कृषि-मूल्य श्रृंखलाओं के लिए समर्थन के माध्यम से ग्रामीण मांग को बढ़ाना।
- उत्पादक सरकारी व्यय को बनाए रखते हुए राजकोषीय विवेकशीलता सुनिश्चित करना।
- निर्माण, एमएसएमई और विनिर्माण जैसे रोजगार-प्रधान क्षेत्रों को बढ़ावा देना।

स्रोत: Indian Express: Back on the road to growth